भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1945

23 दिसंबर, 2022 को उत्तरार्थ

विषय: धान की खेती के लिए कृषि क्षेत्र में कमी

1945. श्री एस.निरंजन रेड्डी :

क्या **कृषि एवं किसान कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भूजल स्तर में गिरावट के कारण धान की खेती के लिए उपयोग किए जाने वाले क्षेत्र में 16.4 प्रतिशत की कमी आई है, यदि हां,तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार की विशेषकर भूजल स्तर की भारी कमी का सामना कर रहे क्षेत्रों में, फसलों के विविधीकरण हेतु कोई नीति लाने या किसानों को प्रोत्साहन प्रदान करने की मंशा है;और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री

(श्री नरेन्द्र सिंह तोमर)

(क) 2018-19 के लिए भू-उपयोग सांख्यिकी पर रिपोर्ट(नवीनतम उपलब्ध) के अनुसार, 2014-15 से देश में धान की खेती के लिए उपयोग किए गए क्षेत्र का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

(ख) और (ग) कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम) के तहत दलहन, मोटे अनाज, पोषक अनाज, कपास और तिलहन जैसी फसलों तथाएकीकृत बागवानी विकास मिशन(एमआईडीएच) के तहत उच्च मूल्य वालीबागवानी फसलों के विविध उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकारों के प्रयासों में सहायता कर रहा है। 2013-14 से फसल विविधीकरण कार्यक्रम (सीडीपी), राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) की एक उप-योजना भी मूलत: हरित क्रांति वाले राज्यों जैसे; हरियाणा, पंजाब और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में लागू की जा रही है ताकिधान की फसल के क्षेत्र को वैकल्पिक फसलों जैसे दलहन, तिलहन, मोटे अनाज, पोषक अनाज, कपास आदि के लिए परिवर्तित किया जा सके।2015-16 से तंबाकू की फसल में विविधता लाने के लिए आंध्र प्रदेश, बिहार, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, ओडिशा, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे 10 तंबाकू उगाने वाले राज्यों में सीडीपी को विस्तारित किया गया है।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, आरकेवीवाई के तहत राज्य विशिष्ट जरूरतों/प्राथमिकताओं के लिए राज्यों को लचीलापन भी प्रदान करता है। राज्य के मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली राज्य स्तरीय स्वीकृति समिति (एसएलएससी) के अनुमोदन से राज्य,आरकेवीवाईके तहत फसल विविधीकरण को बढ़ावा दे सकता है।

अनुबंध

दिनांक 23/12/2022 को देय अतारांकित प्रश्न संख्या 1945 के उत्तर के भाग (क) में उल्लिखित अनुबंध

2014-15 से 2018-19(नवीनतम उपलब्ध)तक देश में धान के अंतर्गत क्षेत्र का विवरण

(हजार हैक्टेयर में)

वर्ष	**फसलों के अंतर्गत क्षेत्र**
2014-15	44237
2015-16	43381
2016-17	44537
2017-18	45059
2018-19	45416

स्रोत: अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

*****